Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding provision of sports physiotherapist in various sports associations.

श्री प्रहलाद सिंह पटेल (दमोह): धन्यवाद अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से शून्य काल में स्पोर्ट्स फीजियो की समस्याओं की तरफ इस सदन का और सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।…(व्यवधान)

महोदय, स्पोर्ट्स फीजियो बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं।…(व्यवधान) हम जैसे लोग ग्रामीण क्षेत्रों से खेलों में भागीदारी करके यहां तक पहुंचे हैं।…(व्यवधान) अगर किसी खिलाड़ी के लिए कुछ जरूरी है तो पहले मैदान का होना जरूरी है, उसके बाद कोच जरूरी है, फिर फीजियो और उसके बाद डॉक्टर जरूरी है।…(व्यवधान) लेकिन, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के तहत जिस प्रकार से डोपिंग की समस्या हमारे सामने आती है, उसमें सबसे जरूरी व्यक्ति फीजियो है।…(व्यवधान) लेकिन, फीजियोथेरेपी में बहुत सारे मामले होते हैं, जैसे हड्डी के जानकार, नसों के जानकार, मांसपेशियों के जानकार इत्यादि।…(व्यवधान) उनमें सबसे महत्वपूर्ण स्पाइंस के जानकार हैं।…(व्यवधान) पर, इस आधार पर सरकार के पास कोई ऐसा क्लासिफिकेशन नहीं है।…(व्यवधान) बहुत सारे राज्यों में उनकी काउंसिल्स हैं, लेकिन फीजियोज़ की कोई नेशनल काउंसिल नहीं है।…(व्यवधान) इससे संबंधित एक बिल भी सरकार के पास लम्बित पड़ा है।…(व्यवधान)

मेरा निवेदन है कि यह बिल खेल मंत्रालय के सहयोग से आना चाहिए, क्योंकि तभी उनका ग्रेडेशन हो पाएगा कि वे डॉक्टर की सूची में हैं या नहीं।…(व्यवधान) मेरी चिंता यह है कि जब कोई खिलाड़ी ग्रामीण स्तर पर निचले स्तर पर होता है तो फीजियो नहीं होने के कारण उनकी मांसपेशियां खराब हो जाती हैं और भविष्य का वह अच्छा खिलाड़ी भी वहीं खत्म हो जाता है।…(व्यवधान) दूसरी बात यह होती है कि अगर दर्द के कारण वह कोई दवा ले लेता है तो उसके बाद वह डोपिंग का शिकार हो जाता है।…(व्यवधान) ऐसी स्थिति में स्पोर्ट्स फीजियो की जो उपयोगिता है, वह सर्वाधिक है।…(व्यवधान) इसलिए मैं आपके माध्यम से सरकार से यह अपेक्षा करता है कि वे इसके लिए एक काउंसिल बनाएं या इससे संबंधित कोई कानून लेकर आएं और स्पोर्ट्स फीजियो की महत्ता को स्वीकार करते हुए निश्चित रूप से उनका कोई आधार तय करें।…(व्यवधान)

अध्यक्षा जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया।…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष:

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल,

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री राहुल रमेश शेवाले,

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे एवं

प्रो. रिचर्ड हे को श्री प्रहलाद सिंह पटेल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

…(व्यवधान)

HON. SPEAKER: Shri Nishikant Dubey - Not present.

Shri Vijay Kumar Hansdak - Not present.

… (*Interruptions*)